# आज बिरज में होरी रे रसिया ...

आज बिरज में होरी रे रसिया
होरी रे होरी, बरजोरी रे रसिया ।।

उड़त गुलाल लाल भये बदरा,
(हो) केसर की पिचकारी रे रसिया ।।1।।

अपने अपने भवन सों निकसीं,
कोई सांवरि कोई गोरी रे रसिया ।।2।।

पाँच बरस के कुंवर कन्हैया,
सात बरस राधा गोरी रे रसिया ... ।।3।।

उत तें श्याम सखा संग निकसे,
इत वृषभानु किशोरी रे रसिया ... ।।4।।

श्यामा श्याम मिल होरी खेलें,
तन मन धन बलिहारी रे रसिया ... ।।5।।

http://www.govindbhargav.in